

डैनियल की पुस्तक - संख्या इकहत्तर

भविष्यवाणी का ताना-बाना: यहजेकेल के अध्याय आठ के चार घृणित कार्यों का अनावरण और आधुनिक युग में उनका महत्व

Jeff Pippenger

2024-02-04

यहजेकेल के आठवें अध्याय की चार घृणाएँ आधुनिक इस्राएल की चार पीढ़ियों का प्रतिनिधित्व करती हैं, और आधुनिक इस्राएल की शुरुआत का प्रतिरूप प्राचीन इस्राएल की शुरुआत थी। इन दोनों आरंभिक इतिहासों से यह गवाही मिलती है कि आधुनिक इस्राएल का अंत शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय होगा। इस्राएल के दोनों आरंभ—एक प्राचीन, शाब्दिक, और दूसरा आधुनिक, आध्यात्मिक—की गवाही इस्राएल के उत्तरी राज्य के उस आरंभिक इतिहास से मिलती है, जब वह यहूदा से अलग हुआ।

जब प्राचीन इस्राएल ने सोने का बछड़ा बनाया, वे अभी-अभी उस भविष्यवाणी की पूर्ति में मिस्र से निकले थे, जो कहती थी कि परमेश्वर उन्हें एक राज्य बना देगा। इस्राएल के उत्तरी राज्य के पहले राजा यारोबाम की कहानी में भी वही विशेषताएँ दिखाई देती हैं। यारोबाम सुलैमान के क्रोध से बचकर मिस्र भाग गया था। भविष्यद्वक्ता अहिय्याह द्वारा उसे यह प्रतिज्ञा दी गई थी कि बारह गोत्रों में से दस पर उसे राजा बनाया जाएगा। भविष्यवाणी पूरी होने से पहले, सुलैमान से दूरी बनाने के लिए यारोबाम मिस्र भाग गया और वहीं रहा, जब तक सुलैमान की मृत्यु न हो गई।

उसी समय, जब यारोबाम येरूशलेम से निकल रहा था, तो शीलोनी नबी अहिय्याह मार्ग में उससे मिला; और उसने अपने ऊपर एक नया वस्त्र पहना हुआ था; और वे दोनों मैदान में अकेले थे। तब अहिय्याह ने उस पर जो नया वस्त्र था, उसे पकड़कर बारह टुकड़ों में फाड़ दिया; और उसने यारोबाम से कहा, तू इन में से दस टुकड़े ले ले; क्योंकि इस्राएल के परमेश्वर प्रभु यों कहता है, देख, मैं सुलैमान के हाथ से राज्य को फाड़ निकालूँगा, और दस गोत्र तुझे दूँगा; परन्तु मेरे दास दाऊद के कारण, और येरूशलेम के कारण—उस नगर के कारण जिसे मैंने इस्राएल की सब गोत्रों में से चुन लिया है—उसके पास एक गोत्र रहेगा; क्योंकि उन्होंने मुझे त्याग दिया है, और सीदोनियों की देवी अशतोरेत, मोआबियों के देवता केमोश, और अम्मोनियों के देवता मिल्कोम की पूजा की है, और मेरी दृष्टि में जो ठीक है वह करने के लिए मेरी राहों में नहीं चले, न मेरी विधियों और मेरे नियमों को माना, जैसा उसके पिता दाऊद ने किया था। तौभी मैं सारा राज्य उसके हाथ से नहीं छीनूँगा; परन्तु अपने दास दाऊद के कारण, जिसे मैंने इसलिए चुना कि उसने मेरी आज्ञाओं और मेरी विधियों को माना, मैं उसके जीवन भर उसे हाकिम बनाए रखूँगा; पर मैं उसके पुत्र के हाथ से राज्य छीन लूँगा, और उसे तुझे दे दूँगा—अर्थात् दस गोत्र। और उसके पुत्र को मैं एक गोत्र दूँगा, ताकि मेरा दास दाऊद येरूशलेम में—उस नगर में जिसे मैंने अपना नाम वहाँ रखने के लिए चुना है—सदा मेरे सम्मुख एक दीप रखे।

और मैं तुझे ले लूँगा, और तू अपने मन की सारी इच्छा के अनुसार राज्य करेगा, और तू इस्राएल पर राजा होगा। और ऐसा होगा कि यदि तू उन सब आज्ञाओं को माने जिन्हें मैं तुझे देता हूँ, और मेरी राहों पर चले, और मेरी दृष्टि में जो ठीक है वही करे, मेरी विधियों और मेरी आज्ञाओं का पालन करे, जैसा मेरे दास दाऊद ने किया; तो मैं तेरे साथ रहूँगा, और तेरे लिये एक दृढ़ घर बनाऊँगा, जैसा मैंने दाऊद के लिये बनाया, और इस्राएल को तुझे दे दूँगा। और मैं इस कारण दाऊद के वंश को क्लेश दूँगा, परन्तु सदा के लिये नहीं। इसलिए सुलैमान ने यारोबाम को मार डालने का प्रयत्न किया। तब यारोबाम उठकर मिस्र को भाग गया, मिस्र के राजा शिशक के पास, और सुलैमान की मृत्यु तक वह मिस्र में रहा। और सुलैमान के शेष सब काम, और जो कुछ उसने किया, और उसकी बुद्धि—क्या वे सुलैमान के कार्यों की पुस्तक में लिखे नहीं हैं? और जितने समय तक सुलैमान ने येरूशलेम में समस्त इस्राएल पर राज्य किया, वह चालीस वर्ष था। और सुलैमान अपने पितरों के साथ सो गया, और अपने पिता दाऊद के नगर में दफनाया गया; और उसका पुत्र रहूबियाम उसके स्थान पर राज्य करने लगा। 1 राजा 11:28-43.

राजा सुलैमान की मृत्यु के बाद, राज्य का विभाजन होना था और यारोबोआम उत्तर के दस गोत्रों पर राजा बनने वाला था, और सुलैमान का पुत्र रहोबोआम यरूशलेम में राजा होना था। गोत्रों का विभाजन होने से पहले, यारोबोआम को मिस्र से बाहर आना था।

और रहोबाम शकेम को गया; क्योंकि समस्त इस्राएल उसे राजा बनाने के लिए शकेम में इकट्ठा हो आया था। और ऐसा हुआ कि नेबत का पुत्र यरोबाम, जो तब भी मिस्र में था, यह सुनकर (क्योंकि वह राजा सुलैमान के सामने से भाग गया था, और यरोबाम मिस्र में रहता था), तब उन्होंने उसे बुलवाने के लिए भेजा। तब यरोबाम और इस्राएल की सारी सभा आकर रहोबाम से कहने लगी, “तेरे पिता ने हमारा जुआ भारी कर दिया; अब तू अपने पिता की कठोर सेवा और उस भारी जुए को, जो उसने हम पर रखा था, हल्का कर दे, तब हम तेरी सेवा करेंगे।” उसने उनसे कहा, “अभी तीन दिन के लिए चले जाओ; फिर मेरे पास आना।” तब लोग चले गए। 1 राजा 12:1-5.

तीन दिनों के दौरान रहोबाम ने जितनी मूर्खतापूर्ण ढंग से व्यवहार किया, उसकी कहानी दोष उसके द्वारा बुजुर्गों की सलाह को मूर्खतापूर्वक ठुकराने पर डालती है, परंतु कबीलों का विभाजन तो पहले से भविष्यवाणी किया गया था, इसलिए वह किसी न किसी तरह घटित होकर ही रहता। यहाँ भविष्य के एक लेख के लिए ध्यान देने योग्य है कि उस विभाजन की प्रक्रिया को विशेष रूप से तीन दिनों के रूप में चिह्नित किया गया था। मिलराइट्स के इतिहास के दौरान वे दो राज्य फिर से एक राज्य बन जाते हैं, और मिलराइट्स के इतिहास में, जब उत्तरी और दक्षिणी कबीले एक राज्य बनते हैं, वही समय प्रकाशितवाक्य के चौदहवें अध्याय के तीन स्वर्गदूतों के आगमन का काल है। मिलराइट्स के इतिहास के वे तीन स्वर्गदूत, रहोबाम के निर्णय के तीन दिनों द्वारा प्रतीकित किए गए थे। वे छियालिस वर्ष, जब 1798 से 1844 तक वे तीन स्वर्गदूत आए, वही तीन सांकेतिक दिन भी थे, जिनके विषय में मसीह ने यूहन्ना अध्याय दो में कहा था कि एक नष्ट हुए मंदिर को उठाने के लिए आवश्यक होंगे, परंतु अध्ययन का वह भाग किसी भविष्य के लेख के लिए है।

जब तीन दिनों के अंत में रहोबियाम ने अपनी मूर्खतापूर्ण घोषणा की, तब राज्य विभाजित हो गए।

जब सारे इस्राएल ने देखा कि राजा ने उनकी बात नहीं मानी, तब लोगों ने राजा को उत्तर दिया, “दाऊद में हमारा क्या भाग है? यिश्शै के पुत्र में हमारी कोई विरासत नहीं। हे इस्राएल, अपने-अपने डेरे को! अब, दाऊद, अपने घर की चिंता कर।” तब इस्राएल अपने-अपने डेरे को चला गया। परन्तु जो इस्राएल के लोग यहूदा के नगरों में बसते थे, उन पर रहूबियाम का ही राज्य रहा। तब राजा रहूबियाम ने अदोराम को भेजा, जो कर का अधिकारी था; और सारे इस्राएल ने उसे पत्थरों से मार डाला, यहां तक कि वह मर गया। इसलिए राजा रहूबियाम शीघ्रता से अपने रथ पर चढ़ा और यरूशलेम भाग गया। इस प्रकार इस्राएल दाऊद के घराने के विरुद्ध आज तक बगावत करता रहा। और ऐसा हुआ कि जब सारे इस्राएल ने सुना कि यारोबाम फिर आ गया है, तब उन्होंने भेजकर उसे सभा में बुलाया और उसे सारे इस्राएल पर राजा बनाया; और दाऊद के घराने के पीछे कोई न चला, केवल यहूदा का गोत्र। 1 राजा 12:16-20.

यारोबाम को एक राज्य दिया जाएगा—यह भविष्यवाणी पूरी हो चुकी थी, और यह तब पूरी हुई जब वह मिस्र से बाहर आया था। परमेश्वर का पवित्रस्थान यरूशलेम नगर में था—वह नगर जिसे परमेश्वर ने अपना नाम रखने के लिए चुना था—इससे ईर्ष्या करके यारोबाम ने पवित्रस्थान, याजकाई और वह उपासना-व्यवस्था, जो केवल यरूशलेम में ही संपन्न की जानी ठहराई गई थी, की नकल स्थापित करने का प्रयास किया। उत्तरी दस गोत्रों में नकली उपासना-प्रणाली खड़ी करने में यारोबाम का काम हारून और सोने के बछड़े के विद्रोह के प्रत्यक्ष समानांतर है, और इस प्रकार यह न केवल शीघ्र आने वाले रविवार के कानून, बल्कि 1863 के विद्रोह के लिए भी एक और साक्षी प्रदान करता है।

और यारोबाम ने अपने मन में कहा, अब यह राज्य दाऊद के घराने को लौट जाएगा। यदि यह प्रजा यरूशलेम में यहोवा के भवन में बलि चढ़ाने को ऊपर जाती रही, तो इस प्रजा का मन फिर उनके स्वामी, अर्थात् यहूदा के राजा रहूबियाम, की ओर फिर जाएगा; तब वे मुझे मार डालेंगे और फिर यहूदा के राजा रहूबियाम के पास लौट

जाएँगे। तब राजा ने मंत्रणा की, और सोने के दो बछड़े बनवाए, और उनसे कहा, तुम्हारे लिए यरूशलेम को ऊपर जाना बहुत है; हे इस्राएल, देखो, ये तुम्हारे देवता हैं, जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाए। और उसने एक को बेतएल में स्थापित किया, और दूसरे को दान में रखा। और यह बात पाप का कारण ठहरी; क्योंकि प्रजा एक के साम्हने दान तक जाकर पूजा करने लगी। और उसने ऊँचे स्थानों के भवन बनवाए, और सामान्य लोगों में से याजक ठहराए, जो लेवी के पुत्रों में से न थे। और यारोबाम ने आठवें महीने के पंद्रहवें दिन एक पर्व ठहराया, जो यहूदा के पर्व के समान था, और वह वेदी पर चढ़ावा चढ़ाने लगा। उसने बेतएल में भी ऐसा ही किया, और उन बछड़ों के लिये, जिन्हें उसने बनवाया था, बलि चढ़ाई; और जिन ऊँचे स्थानों को उसने बनवाया था, उनके याजकों को उसने बेतएल में नियुक्त किया। इस प्रकार उसने बेतएल में बनाई हुई वेदी पर आठवें महीने के पंद्रहवें दिन, अर्थात् उसी महीने में जिसे उसने अपने ही मन से ठहराया था, चढ़ावा चढ़ाया; और इस्राएलियों के लिये एक पर्व ठहराया; और वेदी पर चढ़ावा चढ़ाया, और धूप जलाया। 1 राजा 12:26-33.

यारोबाम का विद्रोह सत्य की एक और रेखा प्रदान करता है, जिसे हारून के विद्रोह, 1863 में प्रोटेस्टेंट सींग के विद्रोह, और शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय होने वाले रिपब्लिकन सींग के विद्रोह के ऊपर रखा जा सकता है, और ऐसा करने से यह भविष्यवाणी की गवाही को विस्तृत करता है। हारून के सोने के बछड़े के विद्रोह में, प्रभु ने याजकत्व को चुनने की ठहराई हुई रीति बदल दी।

विद्रोह से पहले, प्रत्येक गोत्र का पहलौठा याजकत्व का हिस्सा होना था। परन्तु हारून के सुनहरे बछड़े वाले विद्रोह में, केवल लेवी गोत्र ही मूसा के साथ खड़ा रहा। इसी कारण परमेश्वर ने याजकत्व के लिए पुरुषों की नियुक्ति की निर्धारित व्यवस्था बदल दी, और उस समय से आगे याजकत्व केवल लेवी के वंश से ही पूरा किया जाने लगा।

और जब मूसा ने देखा कि लोग नंगे हो गए हैं; (क्योंकि हारून ने उनके शत्रुओं के सामने उनकी लज्जा के लिए उन्हें नंगा कर दिया था;) तब मूसा छावनी के फाटक पर खड़ा हुआ और कहा, कौन यहोवा की ओर है? वह मेरे पास आए। तब लेवी के सब पुत्र उसके पास इकट्ठे हो गए। और उसने उनसे कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यूँ कहता है, हर एक अपनी तलवार अपनी कमर से बाँध ले, और छावनी में फाटक से फाटक तक भीतर-बाहर जाकर, हर एक अपने भाई को, हर एक अपने साथी को, और हर एक अपने पड़ोसी को मार डाले। और लेवी के पुत्रों ने मूसा के वचन के अनुसार किया; और उस दिन लोगों में से लगभग तीन हज़ार पुरुष गिर पड़े। निर्गमन 32:25-28.

यारोबाम ने उस कार्य की नकल की जो परमेश्वर ने हारून की बगावत के समय किया था, जब परमेश्वर ने लेवी के गोत्र से एक नया याजकत्व खड़ा किया था; क्योंकि यारोबाम ने "लोगों में से सबसे निम्न को याजक बनाया, जो लेवी के पुत्रों में से न थे।" उत्तरी दस गोत्रों के राज्य की शुरुआत में हुई बगावत, हारून और नाचते हुए मूर्खों की बगावत के समानांतर है। यह बगावत मिस्र से निकलने के बाद हुई, उस भविष्यवाणी की पूर्ति में जिसके अनुसार एक राज्य स्थापित होना था। दोनों ही मामलों में एक नया याजकत्व स्थापित किया गया, जो याजकों के चयन की पूर्व व्यवस्था से भिन्न था।

हारून की स्वर्ण बछड़े वाली बगावत फिर से दोहराई गई, पर यारोबाम ने उसे दोगुना कर दिया, क्योंकि उसने दो स्वर्ण बछड़े बनवाए और उन्हें दो नगरों में स्थापित किया। दान नगर राज्यकाज/शासनकला का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि "दान" का अर्थ "न्याय करना" है; और बेतएल नगर कलीसियाई व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि "बेतएल" का अर्थ "परमेश्वर का घर" है। इन स्वर्ण बछड़ों में हारून के बछड़े जैसा ही प्रतीकवाद था, पर साथ ही दो नगरों द्वारा दर्शाए गए कलीसिया और राज्य के मिलन की गवाही भी जुड़ी हुई थी। बछड़ा मूर्तिपूजक भेंट का सर्वोच्च रूप माना जाता था, और इसलिए वह मसीह की भेंट का एक नकली प्रतिरूप ठहरता है। सोना बाबुल का प्रतीक है, और बछड़ा एक पशु की प्रतिमा था। जैसे हारून ने उपासना का एक झूठा दिन ठहराया, वैसे ही यारोबाम ने भी एक पर्व ठहराया, और यह सुनिश्चित किया कि उस पर्व की तारीख यरूशलेम में होने वाली सच्ची उपासना के समय से न मिले।

आगामी रविवार के कानून के सभी तत्व यारोबाम के विद्रोह की गवाही में दिखाई देते हैं; झूठा बलिदान (बछड़ा), झूठा मसीह (वेदी), पशु की प्रतिमा (कलीसिया और राज्य का संयोजन), उपासना का झूठा दिन (रविवार), और नकली पुरोहिताई।

प्राचीन इस्राएल का उदय, उत्तरी दस गोत्रों का एक राज्य के रूप में उदय, और एडवेंटवाद का उदय—इन सभी में समान भविष्यसूचक तत्व हैं, और मिलकर वे शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के भविष्यसूचक तत्वों की पहचान कराते हैं। प्राचीन इस्राएल मिस्र की गुलामी से निकल आया था, यारोबाम मिस्र से बाहर आया, जहाँ वह सुलैमान के उत्पीड़न से बचने के लिए भाग गया था, और मिलरवादी एडवेंटवाद अभी-अभी पापाई सत्ता की गुलामी से बाहर निकला था।

लेवी का याजकत्व हारून के विद्रोह के समय स्थापित किया गया था, सबसे निकृष्ट लोगों का नकली याजकत्व यारोबाम की गवाही में स्थापित किया गया, और जब प्रभु ने मिलराइट एडवेंटवाद के साथ वाचा बाँधी, तो पतरस के अनुसार, मिलरवादी “एक चुनी हुई पीढ़ी, राजकीय याजकत्व, पवित्र जाति, निज प्रजा” थे, “कि तुम उसके गुण प्रगट करो जिसने तुम्हें अंधकार में से अपनी अद्भुत ज्योति में बुलाया है।” जिस ज्योति में मिलरवादियों को बुलाया गया था, वह मिलर के रत्नों की वह ज्योति थी जो हबक्कुक की दो पट्टिकाओं पर निरूपित थी, जिन्हें हारून के विद्रोह के इतिहास में दस आज्ञाओं की दो पट्टिकाओं द्वारा प्रतीकित किया गया था। जिस अंधकार से उन्हें बाहर बुलाया गया था, वह पापल शासन का अंधकार युग था, जिसे मिस्री दासत्व के अंधकार द्वारा प्रतीकित किया गया था।

जब मसीह ने उस मंदिर को बहाल किया जिसे मूर्तिपूजा और पापसी—दोनों ने रौंद डाला था, तो उन्होंने यह कार्य 1798 से 1844 तक के छियालीस वर्षों में किया। जब उन्होंने मंदिर का निर्माण कर दिया, तब वाचा के दूत के रूप में वे 22 अक्टूबर, 1844 को अचानक अपने मंदिर में आए, क्योंकि उन्होंने उस मंदिर को, जिसे रौंदकर नष्ट कर दिया गया था, फिर से खड़ा कर दिया था, और उन्होंने उस याजकता को भी शुद्ध किया जिसका प्रतिनिधित्व लेवी के गोत्र द्वारा किया जाता था।

परन्तु उसके आने के दिन को कौन सह सकेगा? और जब वह प्रकट होगा तो कौन ठहर सकेगा? क्योंकि वह गलाने वाले की आग के समान और धोबी के साबुन के समान है। वह चाँदी को गलाने और शुद्ध करने वाले के समान बैठ जाएगा; और वह लेवी के पुत्रों को शुद्ध करेगा, और उन्हें सोने और चाँदी की तरह परिशोधित करेगा, ताकि वे प्रभु को धर्मपूर्वक भेंट चढ़ाएँ। तब यहूदा और यरूशलेम की भेंट प्रभु को प्रिय लगेगी, जैसे प्राचीन दिनों में और जैसे पुराने वर्षों में। मलाकी 3:2-4.

22 अक्टूबर, 1844 को मसीह अचानक अपने मन्दिर में आए और उन लोगों के साथ वाचा बाँधी जिनका प्रतिनिधित्व लैवीय याजकत्व करता था, परन्तु 1863 तक उन्होंने हारून की बगावत को दोहरा दिया, और मिलेराइट याजकत्व परिवर्तित होकर लाओदीकियाई याजकत्व बन गया, जैसा कि यारोबाम के सबसे निम्न मनुष्यों से बने याजकत्व और हारून के नाचते मूर्खों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया। फिर भी यारोबाम की बगावत की गवाही 1863 की बगावत की एक और बड़ी गवाही है। जब यारोबाम ने अपनी झूठी उपासना-प्रणाली का उद्घाटन किया, तब यरूशलेम से एक नबी यारोबाम की बगावत को फटकारने के लिए भेजा गया, जैसा कि मिलेराइट एडवेंटिज़्म का दस आज्ञाओं के सब्त को विश्राम-दिन के रूप में स्वीकार करने के लिए अग्रसर होना उसका प्रतिरूप है।

जब एडवेंटवादी आंदोलन ने तीसरे स्वर्गदूत के संदेश और पवित्रस्थान के प्रकाश को स्वीकार किया, तो यह उन प्रोटेस्टेंटों के लिए एक फटकार था जिन्होंने 1798 में अंत के समय पर आरंभ हुए मुहरों के खुलने के बढ़ते प्रकाश को अस्वीकार कर दिया था। जिस प्रकार प्राचीन इस्राएल मिस्री दासत्व में रहते हुए सब्त को भूल गया था, उसी प्रकार 1798 तक आते-आते मरुभूमि की कलीसिया भी सब्त को भूल चुकी थी। मिलरवादियों द्वारा लाए गए न्याय के समय के संदेश के बढ़ते प्रकाश ने अंततः पवित्रस्थान और परमेश्वर की व्यवस्था तक ले गया।

वह प्रकाश 22 अक्टूबर, 1844 को आया, और यह उन लोगों के लिए, जिन्हें कैथोलिकवाद की झूठी शिक्षाओं से पूरी तरह बाहर आने के लिए बुलाया गया था, झूठी उपासना पर एक फटकार थी। सूर्य-पूजा उन कलीसियाओं पर कैथोलिकवाद के अधिकार का चिह्न है जो फिर से उसके झुंड में लौट आईं। उस फटकार का चित्रण यारोबाम द्वारा अपनी झूठी उपासना-प्रणाली की स्थापना में मिलता है।

और यारोबाम ने अष्टम महीने में, महीने की पंद्रहवीं तारीख को, यहूदा में होने वाले पर्व के समान एक पर्व ठहराया, और वेदी पर बलिदान चढ़ाया। उसने ऐसा ही बेतएल में किया, उन बछड़ों के लिए बलि चढ़ाई जिन्हें उसने बनाया था; और जिन ऊँचे स्थानों को उसने बनाया था, उनके याजकों को उसने बेतएल में ठहराया। सो उसने बेतएल में बनाई हुई वेदी पर अष्टम महीने की पंद्रहवीं तारीख को—अर्थात् उस महीने में जिसे उसने अपने मन से ठहराया था—बलि चढ़ाई; और इस्राएल की सन्तानों के लिये एक पर्व ठहराया; और वेदी पर चढ़ावा चढ़ाया और धूप जलाया। और देखो, यहोवा के वचन के अनुसार यहूदा से एक परमेश्वर का जन बेतएल आया; और यारोबाम धूप जलाने के लिये वेदी के पास खड़ा था। तब उसने यहोवा के वचन से वेदी के विरुद्ध पुकार कर कहा, हे वेदी, हे वेदी, यहोवा यों कहता है: देख, दाऊद के घराने में योशियाह नाम का एक पुत्र उत्पन्न होगा; और वह तेरे ऊपर उन ऊँचे स्थानों के याजकों की बलि चढ़ाएगा जो तेरे ऊपर धूप जलाते हैं, और मनुष्यों की हड्डियाँ तेरे ऊपर जलाई जाएँगी। उसी दिन उसने एक चिन्ह दिया और कहा, यह वह चिन्ह है जो यहोवा ने कहा है: देख, यह वेदी फट जाएगी, और जो राख इस पर है वह बिखर जाएगी। और ऐसा हुआ कि जब राजा यारोबाम ने परमेश्वर के उस जन की बात सुनी, जिसने बेतएल की वेदी के विरुद्ध पुकार की थी, तो उसने वेदी पर से अपना हाथ बढ़ाकर कहा, इसे पकड़ लो।

और उसका हाथ, जो उसने उसके विरुद्ध बढ़ाया था, सूख गया, ऐसा कि वह उसे फिर अपनी ओर खींच न सका। और वेदी भी फट गई, और वेदी से राख बाहर गिर पड़ी, जैसा चिन्ह प्रभु के वचन के द्वारा परमेश्वर के जन ने दिया था। तब राजा ने उत्तर देकर परमेश्वर के जन से कहा, अब तू अपने परमेश्वर प्रभु से मेरे लिये विनती कर और प्रार्थना कर, कि मेरा हाथ फिर से बहाल हो जाए। तब परमेश्वर के जन ने प्रभु से विनती की, और राजा का हाथ फिर बहाल हो गया, और जैसा पहले था वैसा ही हो गया। तब राजा ने परमेश्वर के जन से कहा, मेरे साथ घर चल, और आराम कर, और मैं तुझे इनाम दूँगा। परन्तु परमेश्वर के जन ने राजा से कहा, यदि तू अपना आधा घर भी मुझे दे, तो भी मैं तेरे साथ भीतर न जाऊँगा; और न मैं इस स्थान पर रोटी खाऊँगा, न पानी पीऊँगा। क्योंकि प्रभु के वचन द्वारा मुझे यह आज्ञा दी गई है: रोटी न खाना, पानी न पीना, और जिस मार्ग से तू आया है उसी मार्ग से फिर न लौटना। सो वह दूसरे मार्ग से चला गया, और जिस मार्ग से वह बेतएल आया था, उसी से वह वापस नहीं लौटा। 1 राजा 12:32-13:10.

हारून और यारोबाम की गवाही में सोने के बछड़ों के विद्रोह के साथ-साथ, यारोबाम द्वारा ठहराई गई झूठी उपासना प्रणाली के वास्तविक उद्घाटन का भी समावेश है। वह उद्घाटन यरूशलेम में की जाने वाली उपासना और यारोबाम की नकली प्रणाली के बीच के भेद को दर्शाता है। 1798 से 1844 तक, प्रभु ने अपने लोगों को पोप-शासन के अंधकार से निकालकर प्रकाशितवाक्य अध्याय चौदह के तीन स्वर्गदूतों द्वारा दर्शाए गए अद्भुत भविष्यसूचक प्रकाश में पहुंचाया। प्रोटेस्टेंट कलीसियाओं ने उस प्रकाश को अस्वीकार कर दिया, और ऐसा करते हुए 1844 में वे कैथोलिकता की पुत्रियाँ बन गईं।

यारोबाम की उपासना कैथोलिक उपासना-पद्धति का प्रतीक थी, और उसकी कथा में इस्राएल का उत्तरी राज्य उस कैथोलिकवाद की मिथ्या व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें मिलेराइट इतिहास के प्रोटेस्टेंट बने रहने का चुनाव किया था। उस व्यवस्था का प्रतीक सूर्य-पूजा है।

22 अक्टूबर, 1844 को अति-पवित्र स्थान में प्रवेश करने वाली निष्ठावान और बुद्धिमान कुँवारियाँ, उन प्रोटेस्टेंटों के लिए एक फटकार थीं जो अभी-अभी कैथोलिकता के प्रभाव में लौट आए थे और रोम की पुत्रियाँ बन गए थे। यारोबाम की कपटपूर्ण उपासना-व्यवस्था के उद्घाटन के समय यहूदा से एक नबी आया और यारोबाम को फटकार लगाई; इस प्रकार वह उन निष्ठावान कुँवारियों का प्रतिरूप ठहरा, जो अति-पवित्र स्थान में प्रवेश कर गईं और जिन्हें परमेश्वर की

व्यवस्था को पहचानने के लिए अग्रसर किया गया। उस नबी की कहानी और यरोबाम के प्रति उसकी फटकार 1863 के विद्रोह पर विचार करते समय अत्यंत शिक्षाप्रद है, फिर भी उस कहानी को तब तक रोकना होगा जब तक आरंभ के साथ उसका अंत भी प्रस्तुत न कर दिया जाए।

प्राचीन इस्राएल, यारोबाम का राज्य, और आधुनिक इस्राएल—इन तीनों की शुरुआतें एक-दूसरे से मेल खाती हैं, और मिलकर वे प्रकाशितवाक्य अध्याय 13 के पृथ्वी से निकलने वाले पशु के अंत के विषय में, शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय, तीन साक्ष्य प्रस्तुत करती हैं। 22 अक्टूबर, 1844 को मिलरवादी एडवेंटवाद के विश्वासयोग्य जन पृथ्वी से निकलने वाले उस पशु का सच्चा प्रोटेस्टेंट सींग बन गए, और यह उस इतिहास में हुआ जो 1798 में 'अंत का समय' शुरू होने पर आरंभ हुआ था। 1798 बाइबिल की भविष्यवाणी के छोटे राज्य—संयुक्त राज्य अमेरिका—की शुरुआत थी, और संयुक्त राज्य अमेरिका में एडवेंटवाद के सच्चे प्रोटेस्टेंट सींग की स्थापना भी उसी समय हुई। उस आरंभिक इतिहास में संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतिम इतिहास का प्रतिरूप निहित है, क्योंकि यीशु सदा किसी बात के अंत को उसके आरंभ से दिखाता है।

प्राचीन, आधुनिक और यरोबाम के इस्राएल के तीन प्रारंभिक साक्षी पृथ्वी के पशु के अंत को दर्शाते हैं, परंतु एक और समापन भी है जिसे यहूदा से आए और यरोबाम को फटकारने वाले नबी की गवाही प्रस्तुत करने से पहले स्थापित करना आवश्यक है। शामिल किया जाने वाला समापन इतिहास भविष्यद्वक्ता यहजेकेल द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए इस्राएल के उत्तरी और दक्षिणी राज्यों का अंत है।

यह नहीं भूलना चाहिए कि हम अभी जो दिखा रहे हैं, वह यह है कि 1863 का विद्रोह यहजेकेल अध्याय आठ की पहली घृणित वस्तु, जो कि ईर्ष्या की प्रतिमा थी, द्वारा चिह्नित है। जब हम, जैसा कि यहजेकेल में दर्शाया गया है, उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के अंत पर विचार कर लेंगे, तो हमारे पास इस बात का समर्थन करने के लिए पर्याप्त से अधिक प्रमाण होंगे कि 1863 का विद्रोह हारून और यारोबाम के विद्रोह द्वारा चित्रित किया गया था, और यह लाओदीकियाई एडवेंटवाद की चार पीढ़ियों में से पहली की शुरुआत की पहचान करता है।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

प्रभु का वचन फिर मुझ पर आया; उसने कहा, और तू, मनुष्य के पुत्र, एक डंडा ले, और उस पर लिख: 'यहूदा के लिए, और उसके साथी इस्राएल की सन्तान के लिए।' फिर दूसरा डंडा ले, और उस पर लिख: 'यूसुफ के लिए, अर्थात् इप्रैम का डंडा, और उसके साथी समस्त इस्राएल के घराने के लिए।' और उन्हें आपस में जोड़कर एक डंडा बना दे; और वे तेरे हाथ में एक हो जाएंगे। और जब तेरी प्रजा के लोग तुझ से कहेंगे, 'क्या तू हमें नहीं बताएगा कि इनका क्या अर्थ है?' तब उनसे कहना, 'प्रभु परमेश्वर यूँ कहता है: देख, मैं यूसुफ का डंडा, जो इप्रैम के हाथ में है, और उसके साथी इस्राएल के गोत्रों को ले लूँगा, और उन्हें उसके साथ, अर्थात् यहूदा के डंडे के साथ, मिला दूँगा, और उन्हें एक डंडा बना दूँगा, और वे मेरे हाथ में एक होंगे। और जिन डंडों पर तू लिखेगा, वे उनकी आँखों के सामने तेरे हाथ में रहेंगे। और उनसे कहना, प्रभु परमेश्वर यूँ कहता है: देख, मैं इस्राएल की सन्तान को उन जातियों के बीच से, जहाँ वे चले गए हैं, निकाल लूँगा, और उन्हें चारों ओर से इकट्ठा करूँगा, और उन्हें उनके अपने देश में ले आऊँगा।'

और मैं उन्हें इस्राएल के पर्वतों पर, उस देश में, एक ही राष्ट्र बनाऊँगा; और उन सब पर एक ही राजा राज्य करेगा; और वे फिर दो राष्ट्र न रहेंगे, न वे फिर कभी दो राज्यों में विभाजित किए जाएँगे। वे अब फिर न अपनी मूर्तियों से, न अपनी घृणित वस्तुओं से, और न ही अपने किसी अपराध से अपने आप को अशुद्ध करेंगे; परन्तु मैं उन्हें उनके उन सब निवास-स्थानों से, जहाँ उन्होंने पाप किया है, बचाऊँगा और उन्हें शुद्ध करूँगा; तब वे मेरी प्रजा होंगे, और मैं उनका परमेश्वर होऊँगा। और मेरा दास दाऊद उन पर राजा होगा; और उन सबका एक ही चरवाहा होगा; वे मेरे नियमों पर चलेंगे, और मेरी विधियों को मानेंगे और उनका पालन करेंगे। और वे उस देश में बसेंगे जो मैंने अपने दास याकूब को दिया था, जहाँ तुम्हारे पितर बसे रहे थे; और वे, उनके बच्चे, और उनके बच्चों के बच्चे सदा के लिए वहीं बसेंगे; और मेरा दास दाऊद सदा के लिए उनका प्रधान होगा। फिर मैं उनके

साथ शान्ति की वाचा बाँधूँगा; वह उनके साथ सदा की वाचा होगी; और मैं उन्हें स्थापित करूँगा, और बढ़ाऊँगा, और अपना पवित्रस्थान सदा के लिए उनके बीच में रखूँगा। मेरा निवासस्थान भी उनके साथ होगा; हाँ, मैं उनका परमेश्वर होऊँगा, और वे मेरी प्रजा होंगे। और अन्यजाति लोग जानेंगे कि मैं, यहोवा, इसराएल को पवित्र करता हूँ, जब मेरा पवित्रस्थान सदा के लिए उनके बीच में होगा। यहजकेल 37:15-28.